



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 183]
No. 183]

नई दिल्ली, बुधस्वतिवार, अप्रैल 10, 2003/चैत्र 20, 1925
NEW DELHI, THURSDAY, APRIL 10, 2003/CHAITRA 20, 1925

वित्त और कंपनी कार्य मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 10 अप्रैल, 2003

सं. 33/2003-केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (एन.टी.)

सा.का.नि. 334(अ).— केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 37 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियम, 2002 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

- (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (पांचवा संशोधन) नियम, 2003 है ।
(2) ये नियम राजपत्र में प्रकाशन की तिथि को प्रवृत्त होंगे ।
- केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियम, 2002 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त नियम कहा गया है) में, नियम 12ख के पश्चात् निम्नलिखित नियम अंतः स्थापित किया जायेगा, अर्थात्,—

“ 12 ग. अप्रसंस्कृत कपड़ों के स्वतंत्र बुनकर द्वारा अभिलेख रखना और शुल्क का संदाय.— टैरिफ अधिनियम की पहली अनुसूची के अध्याय 50, 51, 52, 53, 54, 55, 58 या 60 के अंतर्गत आने वाले अप्रसंस्कृत कपड़ों का स्वतंत्र बुनकर, उसके लिए, लेखा रखने, शुल्क अदा करने, बीजक बनाने और नियम 9 के अतिरिक्त, इन नियमों के किसी भी प्रावधान का पालन करने के लिए अपनी मर्जी से किसी अन्य व्यक्ति को अधिकृत कर सकता है:

परंतु यह कि इन नियमों के प्रावधानों का पालन करने की मूल जिम्मेदारी उक्त स्वतंत्र की होगी और ऐसे अप्रसंस्कृत कपड़ों पर शुल्क के अदा न होने या कम अदा होने की दशा में शास्तियां उक्त स्वतंत्र बुनकर और उसके अधिकृत एजेंट, दोनों पर लागू होंगी ।

स्पष्टीकरण: स्वतंत्र बुनकर से ऐसा बुनकर अभिप्रेत है जो स्वयं काम करता है, स्वयं यार्न खरीदता है और उसके द्वारा निर्मित अप्रसंस्कृत कपड़े बेचता है ”

[फा. सं. बी 3/4/2003-टीआरयू (पीटी)]

आलोक शुक्ला, उप सचिव

पाद टिप्पण.— मूल नियम, भारत के राजपत्र में, अधिसूचना सं० 4/2002-केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (एनटी), तारीख 1 मार्च, 2002 सा०का०नि० 143(अ), तारीख 2002 द्वारा प्रकाशित किए गए थे और इनका अंतिम बार संशोधन अधिसूचना सं० 27/2003-केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (एनटी), तारीख 1 अप्रैल, 2003 सा०का०नि० 291 (अ), तारीख 1 अप्रैल, 2003 द्वारा किया गया था।

MINISTRY OF FINANCE AND COMPANY AFFAIRS

(Department of Revenue)

NOTIFICATION

New Delhi, the 10th April, 2003

No. 33/2003-CENTRAL EXCISE (N.T.)

G.S.R. 334(E).— In exercise of the powers conferred by section 37 of the Central Excise Act, 1944 (1 of 1944), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Central Excise Rules, 2002, namely:-

1. (1) These rules may be called the Central Excise (Fifth Amendment) Rules, 2003.
(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
2. In the Central Excise Rules, 2002, after rule 12 B, the following rule shall be inserted, namely,-

"12C. Maintenance of records and payment of duty by the independent weaver of unprocessed fabrics.- An independent weaver of unprocessed fabrics falling under Chapter 50, 51, 52, 53, 54, 55, 58 or 60 of the First Schedule to the Tariff Act, may, at his option, authorize another person, on his behalf, to maintain accounts, pay duty, prepare invoice and comply with any of the provisions of these rules except that of rule 9:

Provided that primary responsibility to comply with the provisions of these rules shall lie with the said independent weaver and in case of short payment or non-payment of duty on such unprocessed fabrics, consequences and penalties shall apply both to the said independent weaver and his authorized agent.

Explanation.- Independent weaver means a weaver who works on his own, purchases the yarn himself and sells the grey fabrics manufactured by him."

[F. No. B3/4/2003-TRU (P)]

ALOK SHUKLA, Dy. Secy.

Footnote.— The principal rules were published in the Gazette of India *vide* notification No. 4/2002-Central Excise (N.T.), dated the 1st March, 2002, *vide* number GSR 143 (E), dated the 1st March, 2002, and were last amended *vide* notification No. 27/2003-Central Excise (N.T.), dated the 1st April, 2003, *vide* number GSR 291 (E), dated the 1st April, 2003.

अधिसूचना

नई दिल्ली, 10 अप्रैल, 2003

सं. 34/2003-केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (एन.टी.)

सा.का.नि. 335(अ).— केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 37 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय मूल्य वर्धित कर प्रत्यय नियम, 2002 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :-

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम केन्द्रीय मूल्य वर्धित कर प्रत्यय (सातवा संशोधन) नियम, 2003 है।
(2) ये नियम राजपत्र में प्रकाशन की तिथि को प्रवृत्त होंगे।

2. केन्द्रीय मूल्य वर्धित कर प्रत्यय नियम, 2002 में,-

(i) नियम 3 में, उपनियम 4 में, निम्नलिखित परंतुक अंतः स्थापित किया जायेगा, अर्थात्,-

(4क) इन नियमों में इसके वितरीत कुछ होने पर भी,-

(अ) प्रथम या द्वितीय स्टेज डीलर, जो केवल टैरिफ अधिनियम की पहली अनुसूची के अध्याय 50, 51, 52, 53, 54, 55, 56, 57, 58, 59, 60, 61, 62 या 63 के अंतर्गत आने वाले माल का क्रय विक्रय करता है, अपनी मर्जी से, उक्त माल की, पैकिंग या पुनः पैकिंग जैसी क्रिया करके या ऐसा किए बिना, उसकी निकासी, उस पर उसकी निकासी के दिन लागू होने वाली केन्द्रीय उत्पाद शुल्क की दर तथा अधिनियम की धारा 3 की उपधारा (2) अथवा धारा 4 के आधार पर आंके गए मूल्य पर आधारित देय केन्द्रीय उत्पाद शुल्क के बराबर राशि देकर कर सकता है। ऐसी स्थिति में केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियम 2002 में वर्णित, माल की बीजक के अधीन निकासी, अभिलेख रखने, रिटर्न भरने, शुल्क देय की विधि तथा शुल्क के न देने की स्थिति से संबंधित प्रावधान इस प्रकार लागू होंगे जैसे कि उक्त राशि, निर्धारिती द्वारा देय केन्द्रीय उत्पाद शुल्क हो:-

परंतु यह कि उक्त डीलर, उक्त मर्जी को एक बार दर्शाने के बाद उक्त वित्तीय वर्ष के शेष भाग में वापिस नहीं ले सकेगा

(आ) खंड (अ) में वर्णित प्रथम या द्वितीय स्टेज डीलर, जिसने उक्त खंड में वर्णित मर्जी दर्शाई है, नियम (3) के उपनियम (1) में विनिर्दिष्ट उक्त माल पर दिए गए शुल्कों का प्रत्यय उक्त माल पर देय राशि को देने में उपयोग कर सकता है।

(इ) खंड (अ) में वर्णित राशि, प्रत्यय के लिए इस प्रकार योग्य होगा जैसे कि वह उपनियम (4क) के अंतर्गत निकासी करने वाले व्यक्ति द्वारा उक्त माल पर दी हुई केन्द्रीय उत्पाद शुल्क हो।

(ii) नियम 9क में,-

(क) उपनियम (1) में, शब्दों तथा अंकों “50 से 55 या 58 या 60 के अंतर्गत आने वाले यार्न और अप्रसंस्कृत फैब्रिक के विनिर्माता या प्रथम स्टेज डीलर या द्वितीय स्टेज डीलर या अध्याय 50 से 55 या 58 से 60 के अंतर्गत आने वाले प्रसंस्कृत फैब्रिक के विनिर्माता” के स्थान पर शब्द तथा अंक “50, 51, 52, 53, 54, 55, 58, 59 या 60 के अंतर्गत आने वाले यार्न और कपड़ों का विनिर्माता या प्रथम स्टेज डीलर या द्वितीय स्टेज डीलर” प्रतिस्थापित किए जायेंगे;

(ख) उपनियम (4) में शब्दों तथा अंकों “7 अप्रैल, 2003” के स्थान पर शब्द तथा अंक “15 अप्रैल, 2003” प्रतिस्थापित किए जाएंगे

[फा. सं. बी 3/4/2003-टीआरयू (पीटी)]

आलोक शुक्ला, उप सचिव

पाद टिप्पण.— मूल नियम, भारत के राजपत्र में, अधिसूचना सं० 5/2002-केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (एनटी), तारीख 1 मार्च, 2002, सा०का०नि० 144(अ), तारीख, 2002 द्वारा प्रकाशित किए गए थे और इनका अंतिम बार संशोधन अधिसूचना सं० 28/2003-केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (एनटी), तारीख 1 अप्रैल, 2003 सा०का०नि० 292 (अ), तारीख 1 अप्रैल, 2003 द्वारा अंतिम बार संशोधन किया गया था।

NOTIFICATION

New Delhi, the 10th April, 2003

No. 34/2003-CENTRAL EXCISE (N.T.)

G.S.R. 335(E).— In exercise of the powers conferred by section 37 of the Central Excise Act, 1944 (1 of 1944), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the CENVAT Credit Rules, 2002, namely:-

1. (1) These rules may be called the CENVAT Credit (Seventh Amendment) Rules, 2003.
(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the CENVAT Credit Rules, 2002,-

(i) in rule 3, after sub-rule (4), the following shall be inserted, namely,-

“(4A) Notwithstanding any thing contained in these rules,—

(a) a first or second stage dealer, dealing exclusively in goods falling under Chapter 50, 51, 52, 53, 54, 55, 56, 57, 58, 59, 60, 61, 62 or 63 of the First Schedule to the Tariff Act, may, at his option, remove such goods, whether or not after undertaking activities such as packing, repacking, on payment of an amount equal to the duty of excise, which is leviable on such goods at the rate applicable on the date of removal and on the value determined for such goods under sub-section (2) of section 3 or section 4 of the Act, as the case may be. The provisions of the Central Excise Rules, 2002, in so far they relate to removal of goods on invoice, maintenance of accounts, filing of return, manner of payment or failure to pay such amount shall apply, as if such amount is a duty of excise liable to be paid by an assessee:

Provided that such option once exercised by the said dealer, shall not be withdrawn during the remaining part of the financial year;

(b) the first or second stage dealer of goods referred to in clause (a), who avails of the option referred to in said clause, may take credit of duties referred to in sub-rule (1) of Rule 3, paid on such goods for utilizing the same for payment of such amount, as referred to in clause (a);

(c) the amount paid under clause (a) shall be eligible as CENVAT credit as if it were a duty paid by a person who removes such goods under sub-rule (4A).”

(ii) in rule 9A,—

(A) in sub-rule (1), for the words and figures “A manufacturer, producer, first stage dealer or second stage dealer of yarn and unprocessed fabrics falling under Chapter 50, 51, 52, 53, 54, 55, 58, 59 or 60 of the First Schedule to the Tariff Act or a manufacturer of processed fabrics falling under Chapter 50, 51, 52, 53, 54, 55, 58, 59 or 60 of the First Schedule to the Tariff Act”, the words and figures “A manufacturer, producer, first stage dealer or second stage dealer of yarn or fabrics falling under Chapter 50, 51, 52, 53, 54, 55, 58, 59 or 60 of the First Schedule to the Tariff Act” shall be substituted;

(B) in sub-rule (4), for the figures and words “7th Day of April, 2003”, the figures and words “15th day of April, 2003” shall be substituted.

[F. No. B3/4/2003-TRU (Pt)]

ALOK SHUKLA, Dy. Secy.

Footnote.— The principal rules were published in the Gazette of India *vide* notification No. 5/2002-Central Excise (N.T.), dated the 1st March, 2002, *vide* number GSR 144 (E), dated the 1st March, 2002, and were last amended *vide* notification No. 28 /2003-Central Excise (N.T.), dated the 1st April, 2003, *vide* number GSR 292 (E), dated the 1st April, 2003.

अधिसूचना

नई दिल्ली, 10 अप्रैल, 2003

सं. 35/2003-केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (एन.टी.)

सं. 35/2003-केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (एन.टी.)
 स.का.नि. 336(अ).— केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियम 2002, के नियम 9क के उपनियम (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, उक्त उपनियम के प्रयोजनों के लिए, अधोलिखित सारणी के स्तंभ (2) में वर्णित, स्टॉक में पड़े और इनप्रोसेस इन्पुट्स या स्टॉक में पड़े अंतिम उत्पाद में निहित इन्पुट्स पर, उक्त सारणी के स्तंभ (3) की तत्स्थानी प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट शुल्क के प्रत्यय की राशि घोषित करती है,-

क्रम सं०	विवरण	प्रत्यय की राशि
(1)	(2)	(3)
1.	स्टॉक में पड़े और इनप्रोसेस इन्पुट्स, अर्थात्,- (क) संयुक्त मिल में स्टॉक में पड़े टैक्सचराइज्ड यार्न; (ख) उपरोक्त (क) से भिन्न यार्न (ग) कपड़े (अप्रसंस्कृत या प्रसंस्कृत)	रुपये 18, टैक्सचराइज्ड यार्न के प्रति किलोग्राम गुणा ऐसे टैक्सचराइज्ड यार्न की किलोग्राम में मात्रा डीम्ड मूल्य गुणा ऐसे यार्न पर शुल्क की दर डीम्ड मूल्य गुणा ऐसे कपड़ों पर शुल्क की दर
2.	स्टॉक में पड़े अंतिम उत्पाद, अर्थात्,- (क) अप्रसंस्कृत शुद्ध सूती कपड़े (ख) उपरोक्त (क) से भिन्न अप्रसंस्कृत कपड़े	घोषित मूल्य गुणा ऐसे अप्रसंस्कृत कपड़ों पर शुल्क की दर का 26 प्रतिशत घोषित मूल्य गुणा ऐसे अप्रसंस्कृत कपड़ों पर शुल्क की दर का 60 प्रतिशत

स्पष्टीकरण 1 :- इस अधिसूचना के प्रयोजनों के लिए “ डीम्ड मूल्य ” की गणना अधोलिखित विधि से की जायेगी:

$$\text{डीम्ड मूल्य} = \frac{\text{घोषित मूल्य गुणा 95}}{[100 + \text{शुल्क की दर}]}$$

स्पष्टीकरण 2 :- इस अधिसूचना के प्रयोजनों के लिए “ शुल्क की दर ” से किसी भी अधिसूचना के साथ पठित, यथास्थिति, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1985 (1986 का 5), अतिरिक्त केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (विशेष महत्व का माल) अधिनियम 1957 (1957 का 58) और अतिरिक्त केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (टैक्सटाइल और टैक्सटाइल वस्तुएं) अधिनियम 1978 (1978 का 40) के अधीन संदेय, 1 अप्रैल, 2003 को प्रवृत्त शुल्क है।

स्पष्टीकरण 3 :- इस अधिसूचना के प्रयोजनों के लिए “ संयुक्त मिल ” से ऐसा विनिर्माता अभिप्रेत है जो उसी कारखाने के भीतर वस्त्रों से व्यूतन या बुनाई या क्रिरोशियाकारी के साथ वस्त्रों के प्रसंस्करण में लगा हुआ है और इसके अंतर्गत बहुस्थानी संयुक्त मिल, अर्थात् ऐसी पब्लिक लिमिटेड कंपनी जो उसी पब्लिक लिमिटेड कंपनी के स्वामित्व के एक या अधिक कारखानों में व्यूतन या बुनाई या क्रिरोशियाकारी के साथ विद्युत की सहायता से वस्त्रों के प्रसंस्करण में लगी, भी आती है।

[फा. सं. बी 3/4/2003-टीआरयू (पीटी)]

आलोक शुक्ला, उप सचिव

NOTIFICATION

New Delhi, the 10th April, 2003

No. 35/2003-CENTRAL EXCISE (N.T.)

G.S.R. 336(E).— In exercise of the powers conferred by sub-rule (3) of rule 9A of the Central Excise Rules, 2002, the Central Government, hereby declares, for the purposes of the said rule, the amount of credit of duty, as specified in column (3) of the table below, on inputs lying in stock or in process or on inputs contained in finished goods lying in stock, as specified in the corresponding entry in column (2) of the said Table, namely:-

TABLE

S. No.	Description	Amount of credit
(1)	(2)	(3)
1	Input lying in stock or in process, namely,- (a) Texturised yarn lying in stock in a composite mill; (b) Yarn other than (a) above; (c) Fabrics (unprocessed or processed)	Rs 18 per Kg of texturised yarn multiplied by quantity in Kg of such texturised yarn Deemed value multiplied by the rate of duty on such yarn Deemed value multiplied by the rate of duty on such fabrics
2	finished goods lying in stock, namely,- (a) Unprocessed fabrics of cotton not containing any other textile material; (b) Unprocessed fabrics other than (a) above	Declared value multiplied by 26% of the rate of duty on such unprocessed fabrics Declared value multiplied by 60% of the rate of duty on such unprocessed fabrics

Explanation 1.- For the purposes of this notification, "Deemed value" shall be calculated in the following manner:

Deemed value= $\frac{\text{Declared value multiplied by 95}}{[100 + \text{rate of duty}]}$;

Explanation 2.- For the purposes of this notification, "rate of duty" shall mean the rate of duty leviable under the Central Excise Tariff Act, 1985 (5 of 1986), the Additional Duties of Excise (Goods of Special Importance) Act, 1957 (58 of 1957) and Additional Duties of Excise (Textile and Textile Articles) Act, 1978 (40 of 1978), as the case may be, read with any notification, as on the 1st day of April, 2003;

Explanation 3.- For the purposes of this notification, "composite mill" means a manufacturer who is engaged in the processing of fabrics with the aid of power along with the spinning of yarn from fibres and weaving or knitting or crocheting of fabrics within the same factory and includes a multi-locational composite mill, i.e., a public limited company which is engaged in the processing of fabrics with the aid of power along with the spinning of yarn from fibres and weaving or knitting or crocheting of fabrics in one or more factories owned by the same public limited company.

[F. No. B3/4/2003-TRU (Pt)]

ALOK SHUKLA, Dy. Secy.